

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2009

प्रश्न पत्र-I

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. कर्म सिद्धान्त की व्याख्या करें। कर्मों की विभिन्न श्रेणियों के बारे में बताइए।
2. किन्हीं पाँच का उत्तर दें :-
क. हिन्दु वैदिक समाज में ज्ञान को किस प्रकार संजो कर रखा गया व उसका प्रसार कैसे हुआ?
ख. ज्योतिष के दो उपयोग बताएँ।
ग. शकुन का क्या महत्त्व है?
घ. वराहमिहिर के बारे में आप क्या जानते हैं?
ङ. श्रेयस व प्रेयस कर्म के बारे में लिखें।
च. प्रारब्ध कर्म क्या हैं?
3. किन्हीं पाँच का उत्तर दें :-
क. जन्म पत्रिका में मोक्ष भाव कौन से होते हैं?
ख. वैद्यनाथ व मंत्रेश्वर की रचनाएँ लिखें।
ग. जन्म पत्रिका में जीवन साथी व सन्तान किस स्थान से देखते हैं?
घ. वेदांगों के नाम लिखें।
ङ. सूक्ष्म शरीर क्या है?
च. स्कन्धत्रय क्या है?
4. क्या ज्योतिष विज्ञान है? चर्चा करें।
5. भाग्य वह पर्दा है जिसके पीछे इंसान अपने दुष्कर्म को छुपाता है। क्या यह सही है? चर्चा करें।

भाग-II (ज्योतिष से सम्बन्धित खगोल शास्त्र)

6. वैदिक व पार्श्व्यात्य ज्योतिष सिद्धान्तों में क्या भिन्नताएँ हैं?
7. यदि सूर्य के निरायन भोगांश 102 अंश है तो धूम पथ, परिधि, इन्द्रचाप और सिखि की गणना करें।
8. यदि सूर्य के भोगांश सिंह 3:47 व चन्द्र के सिंह 17:06 है तो तिथि, नक्षत्र, योग एवं करण की गणना करें।
9. किन्हीं दो का उत्तर दें :-
क. समझाएँ कि क्यों सूर्य व चन्द्र कभी वक्री नहीं होते हैं।
ख. पंचांग क्या है?
ग. चन्द्र सौर वर्ष का सिद्धान्त समझाएँ।
10. किन्हीं दो का सचित्र उत्तर दें।
क. चन्द्र की कलाएँ ख. ऋतु परिवर्तन घ. राहु व केतु